ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
कृषि अनुसंधान केन्द्र
स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
बीकानेर – 334006
Phone 0151 2250018, 0151 2250570
Email: arsagrometbikaner@gmail.com

क्रमांकः एफ/एग्रो/एग्रोमेट./25 दिनांकः **12.08.2025**
जिलाः– बीकानेर

मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह

अवधि 12 अगस्त 2025 से 16 अगस्त 2025 तक

गत सप्ताह के मौसम की समीक्षाः इस दौरान अधिकतम तापमान 37.4 से 37.8 °C एवं न्यूनतम तापमान 26.0 से 27.5 °C के मध्य रहा। इस दौरान धीमी गति की हवायें चली एवं आपेक्षिक आर्द्रता 40 से 70% रही।	आगामी सप्ताह की मौसम भविष्यवाणीः भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली एवं राज्य मौसम केन्द्र, जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर बीकानेर जिले में आगामी 5दिनों के दौरान (08.08.2025 से 12.08.2025) 12.08.2025 व 16.08.2025 को घने बादल छाए रहने, 13.08.2025 से 15.08.2025 तक पूर्णाच्छादित छाए रहने, न्यूनतम तापमान 28.0-29.0°C और अधिकतम तापमान 35.0-36.0°C के मध्य रहने की संभावना है। इस दौरान दधिणी दधिणी पधिमी, दधिणी पधिमी और पधिमी दधिणी पधिमी दिशा से तेज गति की हवायें बहुत कम सापेक्ष आर्द्रता के साथ चलने की संभावना है।

मौसम कारक	दिनांक				
	12.08.2025	13.08.2025	14.08.2025	15.08.2025	16.08.2025
वर्षा) एम.एम. (	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
आसमान में बादलो की स्थिति	घने बादल	पूर्णाच्छादित	पूर्णाच्छादित	पूर्णाच्छादित	घने बादल
अधिकतम तापमान ° C)	**36**	**35**	**36**	**36**	**35**
न्यूनतम तापमान (° C)	**28**	**28**	**29**	**29**	**29**
वायु दिशा	दधिणी दधिणी पधिमी	दधिणी दधिणी पधिमी	दधिणी दधिणी पधिमी	दधिणी पधिमी	पधिमी दधिणी पधिमी
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	**32**	**34**	**36**	**29**	**32**
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	**55**	**60**	**56**	**51**	**46**
औसत वायु गति {कि./घण्टा}	**27**	**23**	**20**	**19**	**22**
वर्षा) एम.एम. (	**00.00**				

कृषकों के लिए कृषि सलाह (Agro Advisory): गत सप्ताह की मौसम समीक्षा एवं इस सप्तक के लिए मौसम पूर्वानुमान के आधार पर किसान भाइयों को निम्न सलाह दी जाती है ।

विशेष सलाह	आने वाले दिनों में बारिश/आंधी/बिजली गिरने की कोई संभावना नहीं है. कृषि उपज मण्डियों में खुले में रखे अनाज एवं वस्तुओं को सुरक्षित स्थान पर भण्डारित करें ताकि उन्हें खराब होने से बचाया जा सके। भविष्य के लिए पानी और नमी की हर बूंद का संरक्षण करें। क्षारीय/क्षारीय मिट्टी को पुनः प्राप्त करने के लिए बुआई से पहले गहरी जुताई के साथ-साथ जिप्सम या अच्छी तरह से सड़ी हुई खाद डालें।

फसल	**अवस्था**	**विवरण**	**कृषि सलाह**
मूंगफली	शाखाएँ निकलना	पीलेपन का उपचार	मूंगफली की खड़ी फसल में पीलेपन के लक्षण दिखाई देने पर 0.5 प्रतिशत फेरस सल्फेट 0.1 प्रतिशत साइट्रिक अम्ल का छिड़काव करे। 60 किग्रा/बीघा जिप्सम का भूमि पर छिड़काव करें।
		खरपतवार नियंत्रण	मूंगफली की फसल में खरपतवार होने पर बुवाई के 30-40 दिन बाद या प्रथम सिंचाई के बाद या वर्षा के बाद एक निराई - गुड़ाई आवश्यक रूप से करें ।घास कुल के खरपतवारों के नियंत्रण के लिए खड़ी फसल में बुवाई के 20-25 दिन बाद क्यूजोलफॉस ईथाइल 5 प्रतिशत ई. सी. की 1000 मि.ली. दवा प्रति हेक्टेयर की दर से 500 ली. पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
	पेगिंग	सिंचाई	**मूंगफली की फसल में दाना बनने के लिए मिट्टी को नम रखने के लिए लगातार सिंचाई करें।**
ग्वार, मूंग, बाजरा तिल एवं मोठ	प्रारंभिक वनस्पति अवस्था	निराई-गुड़ाई	खर-पतवार एवं वात नियंत्रण के लिए खरीफ फसलों में 25-30 दिन की अवस्था पर निराई-गुड़ाई करें। यदि श्रमिकों की उपलब्धता समस्या है और सुनिश्चित सिंचाई सुविधा है तो 50 ग्राम ए.आई. का छिड़काव करें। सभी खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए फलियों में 500 लीटर पानी के साथ इमाजेथापायर का उपयोग करें। बाजरा की फसल में 500 ग्राम ए.आई. का छिड़काव करें। केवल चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए 2, 4-डी एस्टर नमक या 200 ग्राम ए.आई. सभी प्रकार के खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए एट्राजीन को 500 लीटर पानी में छिड़काव करें।
कद्दूवर्गीय सब्जियों	फलन	फलों की तुडाई	ग्रीष्मकालीन कुष्माण्ड कुल की सब्जियों तथा तरबूज व खरबूज के फलों की तुडाई फलों के पकने पर ही करें । फल के पास के डण्ठल का सूखना, बजाने पर डल आवाज आना, फल के रंग में परिवर्तन होना फलों के पकने का संकेत है । पानी देने के तुरन्त बाद (12-24 घन्टे) कच्चे फल न तोडे क्योकि कच्चे फल तोड़ने के बाद में पकते नहीं है।
ज्वार	पहली कटाई	ज्वार की विषाक्तता कम करें	देरी से बुआई की गई ज्वार में जहरीला पदार्थ धुरिन हो सकता है जो पशुओं के लिए हानिकारक है अतः 2-3 पानी लगाने या अच्छी वर्षा के तुरंत बाद ही पशुओं को खिलाने के लिए काटें।
पशुधन		खाद्य, पोषक प्रबंधन एंव स्वास्थ्य	शुष्क क्षेत्रों में गर्मियों में हरे चारे की कमी हो जाती है, अतः पंजीकृत पशु चिकित्सक की सलाह से प्रोटीन युक्त, उच्च पोषण वाली यूरिया – मोलसेज ईंटों का निर्माण करके पशुओं को खिलाएँ ।

सह–आचार्य एवं तकनीकी अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

क्षेत्रीय अनुसन्धान निदेशक एवं
नोडल ऑफिसर – ग्रामीण कृषि मौसम सेवा